हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

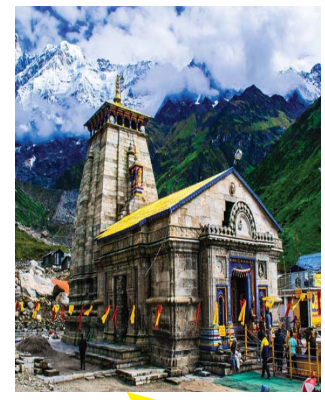

वर्ष:5 अंक:57 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, मंगलवार, 03 मार्च 2026

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी होली के रंग और लोक गीतों की धुन में आनंदित

गढ़वाल-कुमाऊँ से जौनसार तक के कलाकारों ने बांधा समां

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री आवास में सोमवार को होली के रंगों की ऐसी बहार देखने को मिली, जिसने पूरे परिसर को लोकसंस्कृति और उल्लास के रंगों से सराबोर कर दिया। प्रदेश के विभिन्न अंचलों से पहुंचे लोक कलाकारों, होल्यारों और संस्कृति कर्मियों ने अपनी-अपनी पारंपरिक धुनों और प्रस्तुतियों से माहौल को उत्सवमय बना दिया।

पूर्वाह्न से ही लोक कलाकारों की टोलियां होली गायन करती हुई मुख्यमंत्री आवास पहुंचने लगी थीं। एक ओर जौनसार-बावर क्षेत्र के कलाकार पारंपरिक हारूल नृत्य की मोहक प्रस्तुति दे रहे थे, तो दूसरी ओर कुमाऊँनी होल्यारों की टोली अपनी विशिष्ट बैठकी होली की धुनों में मग्न नजर आई। गढ़वाल अंचल

के कलाकारों ने भी पारंपरिक खड़ी होली के गीतों से समां बांध दिया।

पौड़ी जनपद के राठ क्षेत्र से आई सांस्कृतिक टोली ने 'आई डान्ड्यू बसंत, डाली मा मौल्यार' जैसे पारंपरिक गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं कुमाऊँ से आए कलाकारों ने 'आओ दगड़ियो, नाचा गावा, आ गई रंगीली होली' का सामूहिक आह्वान कर पूरे वातावरण को रंगोत्सव की उमंग से भर दिया।

ढोल, मंजीरे और अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मधुर संगत ने होली गीतों के प्रभाव को और भी गहन बना दिया। लोकधुनों की गूंज और कलाकारों की उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक विविधता ही उसकी असली पहचान है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वयं कलाकारों के बीच पहुंचकर होली की शुभकामनाएं दीं। आम और खास सभी ने मुख्यमंत्री को अबीर-गुलाल लगाकर रंगोत्सव की बधाई दी। मुख्यमंत्री भी लोक कलाकारों के साथ पूरी आत्मीयता से रंगों में सराबोर नजर आए और पारंपरिक धुनों पर थिरकते दिखाई दिए। कार्यक्रम में प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि और सामाजिक एकता के सशक्त दर्शन हुए। लोक कलाकारों ने विशेष आमंत्रण पर अपनी प्रस्तुति देने का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोकसंस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए सकारात्मक प्रयास कर रही है तथा लोक कलाकारों को प्रोत्साहन और मंच प्रदान कर रही है।

समारोह ने एक बार फिर यह साबित किया कि उत्तराखण्ड में त्योहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और सामूहिक एकता के जीवंत प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री आवास में आयोजित यह होली मिलन कार्यक्रम रंग, रस और लोकधुनों का ऐसा संगम बना, जिसकी छटा देर तक उपस्थित जनसमूह के मन में बनी रही।

एक नजर

अब तक किसी परमाणु रिएक्टर पर हमला नहीं, लेकिन रेडियोधर्मिता रिसाव का खतरा बरकरार : आईएईए

वियना। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा है कि अब तक ईरान के किसी भी परमाणु ठिकाने पर हमला नहीं हुआ है, लेकिन 'रेडियोधर्मिता रिसाव ' की संभावना को टाला नहीं जा सकता। आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने ईरान और पश्चिम एशिया में जारी सैन्य हमलों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने और परमाणु प्रतिष्ठानों पर किसी भी तरह के सशस्त्र हमले से बचने की अपील की है।

ग्रोसी ने कहा कि आईएईए स्थिति की निगरानी जारी रखेगा और यदि परमाणु सुरक्षा में कोई उल्लंघन होता है तो सदस्य देशों को तत्काल तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। उन्होंने आगाह किया कि यदि रेडियोधर्मिता रिसाव होता है तो बड़े शहरों को खाली कराने की नौबत आ सकती है। ग्रोसी ने कहा कि एजेंसी ने अपने अधिकार क्षेत्र के अनुरूप संभावित रेडियोधर्मिता रिसाव आपात स्थिति की आशंका को ध्यान में रखते हुए तत्काल कार्रवाई की है। आईएईए का 'इंसिडेंट एंड इमरजेंसी सेंटर' (आईईसी) सक्रिय है और एक समर्पित टीम स्थिति का आकलन कर रही है, हालांकि संघर्ष के कारण संचार में बाधाएं आ रही हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय सुरक्षा निगरानी नेटवर्क को सतर्क कर दिया गया है और अब तक ईरान से सटे देशों में पृष्ठभूमि स्तर से अधिक विकिरण दर्ज नहीं हुआ है। ईरान में परमाणु प्रतिष्ठानों की स्थिति पर उन्होंने कहा कि अब तक बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र, तेहरान अनुसंधान रिएक्टर या अन्य परमाणु ईंधन चक्र सुविधाओं के क्षतिग्रस्त होने का कोई संकेत नहीं मिला है। आईएईए ने ईरान के परमाणु नियामक प्राधिकरण से संपर्क साधने के प्रयास जारी रखे हैं, लेकिन अभी तक प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

महानिदेशक ने चेतावनी दी कि क्षेत्र के कई देशों में संचालित परमाणु ऊर्जा संयंत्र और अनुसंधान रिएक्टर हैं, जिससे किसी भी सैन्य हमले की स्थिति में परमाणु सुरक्षा के लिए जोखिम बढ़ जाता है। संयुक्त अरब अमीरात में चार परिचालित परमाणु रिएक्टर हैं, जबकि जॉर्डन और सीरिया में अनुसंधान रिएक्टर संचालित हैं।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासम्मेलन के पूर्व प्रस्तावों का उल्लेख करते हुए कहा कि परमाणु सुविधाओं पर सशस्त्र हमले कभी नहीं होने चाहिए, क्योंकि इससे गंभीर रेडियोधर्मी उत्सर्जन हो सकता है, जिसके प्रभाव सीमाओं से परे तक पड़ सकते हैं।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर दीर्घकालिक समाधान के लिए उन्होंने कूटनीति और वार्ता पर लौटने की आवश्यकता दोहराई। उन्होंने कहा कि बल प्रयोग अंतरराष्ट्रीय संबंधों का हिस्सा रहा है, लेकिन यह हमेशा अंतिम विकल्प होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'कूटनीति कठिन है, लेकिन असंभव नहीं। परमाणु कूटनीति और भी कठिन है, लेकिन असंभव नहीं। हमें जल्द से जल्द वार्ता की मेज पर लौटना ही होगा। '

होली के रंगों में सजी शिष्टाचार मुलाकात: लोकतांत्रिक मर्यादा और भाजपा संस्कारों की मिसाल

पथ प्रवाह, नवीन चौहान

होली के पावन अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत के बीच हुई शिष्टाचार मुलाकात ने राजनीतिक परिपक्वता और संगठनात्मक संस्कारों का सशक्त संदेश दिया। रंगों के इस पर्व पर दोनों वरिष्ठ नेताओं का आत्मीय संवाद केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और पारस्परिक सम्मान की जीवंत अभिव्यक्ति बनकर सामने आया।

होली मिलन के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण में प्रदेश और संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर यह स्पष्ट संदेश भी गया कि सियासत अपनी जगह है, लेकिन व्यक्तिगत सम्मान और वैचारिक गरिमा सर्वोपरि है। भाजपा की परंपरा रही है कि मतभेद हो सकते हैं, पर मनभेद नहीं। यही कारण है कि वैचारिक दूरी की संभावनाओं के बावजूद संगठनात्मक एकता और संवाद की निरंतरता बनी रहती है। भाजपा के संस्कारों में बड़ों का सम्मान और संगठन सर्वोपरि की भावना प्रमुख है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वयं को हमेशा 'मुख्य सेवक' के रूप में प्रस्तुत किया है। उनका यह दृष्टिकोण बताता है

कि सत्ता नेतृत्व का माध्यम है, लक्ष्य नहीं। इसी प्रकार त्रिवेंद्र सिंह रावत का अनुभव और मार्गदर्शन संगठन को निरंतर दिशा देता रहा है। दोनों नेताओं की यह मुलाकात इस बात का प्रतीक है कि लोकतंत्र में संवाद और सम्मान ही स्थायी राजनीति की आधारशिला हैं।

राजनीति में अक्सर प्रतिस्पर्धा को टकराव के रूप में देखा जाता है, किंतु इस मुलाकात ने यह सिद्ध किया कि स्वस्थ लोकतंत्र में मतभिन्नता भी सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बन सकती है। भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए यह संदेश स्पष्ट है कि व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर संगठन और विचारधारा है। पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता भाजपा के झंडे को हाथ में लेकर राष्ट्र सेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

प्रदेश संगठन में इन दिनों कार्यकर्ता संस्कृति को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया जा रहा है। नेता बनने की अपेक्षा कार्यकर्ता बनने की होड़ इस विचारधारा को दर्शाती है कि जमीनी जुड़ाव ही स्थायी जनसमर्थन की कुंजी है। मुख्यमंत्री का यह कहना कि वे 'मुख्य सेवक' हैं, राजनीतिक विनम्रता और जवाबदेही की नई परिभाषा प्रस्तुत करता है।

होली जैसे सामाजिक पर्व पर हुई यह शिष्टाचार भेंट न केवल राजनीतिक शालीनता का उदाहरण है, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा की भी नई परिभाषा गढ़ती है। यह संदेश देती है कि विचारों में भिन्नता के बावजूद हम साथ-साथ चल सकते हैं, क्योंकि लोकतंत्र संवाद, सम्मान और सहयोग की भावना से ही सशक्त होता है। इस मुलाकात ने एक बार फिर यह स्थापित किया कि भाजपा में संगठन सर्वोपरि है, संस्कार उसकी शक्ति हैं और कार्यकर्ता उसकी आत्मा। रंगों के इस त्योहार पर सौहार्द और सम्मान का यह संदेश प्रदेश की राजनीति में सकारात्मकता का संचार करने वाला माना जा रहा है।

ईपीएफ पर ब्याज दर 8.25 प्रतिशत बनी रहेगी, निष्क्रिय खातों के स्वचालित निपटान की पायलट योजना मंजूर

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के भविष्य निधि योजना कोष का प्रबंधन करने वाले श्रम मंत्रालय के कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) खातों में जमा राशि पर चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ब्याज दर को 8.25 प्रतिशत पर बनाये रखने की सिफारिश की है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भी ईपीएफ पर ब्याज इतना ही रखा गया था। ब्याज दर की इस सिफारिश को वित्त मंत्रालय की औपचारिक स्वीकृति के बाद लागू किया जाएगा। श्रम मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में ईपीएफओ के केंद्रीय न्यासी मंडल की सोमवार को हुई 239वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में 1,000 रुपये या उससे कम की जमा राशियों वाले निष्क्रिय ईपीएफ खातों में दावा निपटान की स्वतः संचालित व्यवस्था के लिए एक पायलट परियोजना शुरू करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। इसमें लगभग कुल 5.68 करोड़ रुपये के 1.33 लाख से ज़्यादा खातों के स्वचालित निपटान को शामिल किया जाएगा। ईपीएफओ बोर्ड ने कर्मचारियों के हितों की रक्षा और विवादों के तेजी से समाधान के लिए छूट वाले नियोक्ता प्रतिष्ठानों के लिए अभयदान-योजना को भी मंजूरी दी है। मांडविया की अध्यक्षता में बैठक में ईपीएफओ की वाइस चेयरमैन तथा श्रम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, को-वाइस-चेयरपर्सन और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव वंदना गुरनानी और सदस्य सचिव एवं केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त रमेश कृष्णमूर्ति शामिल हुए। ईपीएफओ पिछले कई साल से एक्सचेंज ट्रेड कोषों और दूसरे प्रकार के निवेश में प्रतिफल अच्छा रहने से आठ प्रतिशत वार्षिक से ज़्यादा की दर से ब्याज देता आ रहा है।

हरिद्वार में उत्तराखण्ड गन्ना पर्यवेक्षक संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

सुरेश चन्द्र डबराल पुन : अध्यक्ष निर्वाचित, कृष्णपाल चौहान बने प्रदेश महामंत्री

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

उत्तराखण्ड गन्ना पर्यवेक्षक संघ के द्विवार्षिक अधिवेशन का आयोजन हरिद्वार स्थित एक आश्रम में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। अधिवेशन के दौरान राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की देखरेख में प्रांतीय चुनाव प्रक्रिया पूरी कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव परिणामों की घोषणा के साथ ही संगठन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार देखने को मिला।

प्रांतीय चुनाव में अध्यक्ष पद पर सुरेश चन्द्र डबराल को पुनः दूसरे कार्यकाल के लिए निर्वाचित किया गया। उनके नेतृत्व में पूर्व कार्यकाल के दौरान संगठनात्मक मजबूती और कर्मचारियों के हितों की पैरवी को देखते हुए प्रतिनिधियों ने उन पर दोबारा विश्वास जताया। वहीं महामंत्री पद पर कृष्णपाल चौहान को निर्विरोध चुना गया। उनके निर्विरोध निर्वाचन को संगठन की एकजुटता और आपसी समन्वय का प्रतीक माना जा रहा है।

नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर मौ0 युनुस को जिम्मेदारी सौंपी गई, जबकि कोषाध्यक्ष के रूप में जयकुमार का चयन हुआ। संयुक्त मंत्री पद पर रवि कुमार सैनी को चुना गया। इसके अतिरिक्त अविनाश को सम्प्रेक्षक तथा अदरीश अहमद को संगठन मंत्री की जिम्मेदारी प्रदान की गई। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन के हितों की रक्षा, कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान और विभागीय समन्वय को मजबूत करने का संकल्प लिया।

अधिवेशन के दौरान वक्ताओं ने गन्ना विभाग से जुड़े कर्मचारियों की चुनौतियों, सेवा संबंधी मुद्दों तथा संगठन की भावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। प्रदेश अध्यक्ष सुरेश चन्द्र डबराल ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन सदैव कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। वहीं नव निर्वाचित महामंत्री कृष्णपाल चौहान ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में जिलाध्यक्ष रमन सैनी एवं अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों का विशेष योगदान रहा। अधिवेशन शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ, जिसके लिए आयोजकों की सराहना की गई।

एक नजर

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने दी जनपदवासियों को होली की शुभकामना

पथ प्रवाह, हरिद्वार। रंगों के पावन पर्व होली के शुभ अवसर पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनपदवासियों को होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि होली का यह पर्व आपसी प्रेम, सौहार्द,भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक है। होली हमें भेदभाव मिटाकर एक-दूसरे के प्रति सद्भाव और सहयोग की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि रंगों का यह पर्व आप सभी के जीवन में सुख,समृद्धि एवं खुशियों के विविध रंग लेकर आए, यही मां गंगा से प्रार्थना है। कहा कि रंगों के इस त्योहार को सभी लोग शांति एवं सद्भाव के साथ मनाएँ।

हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। भाई के ऊपर जान से मारने की नियत से हमला करने के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया धारदार हथियार भी बरामद कर लिया है। पुलिस के मुताबिक इमरान निवासी नरोजपुर लक्सर द्वारा दिनांक 20.02.2026 को दी गई शिकायत पर कोतवाली लक्सर में अभियोग पंजीकृत किया गया। घटना की सत्यता की जांच कर आरोपियों की धरपकड़ हेतु एसएसपी हरिद्वार द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। गठित पुलिस टीम ने सम्भावित स्थानों में लगातार दबिश देकर प्रकरण में शामिल आरोपित सावेज व सुल्तान को दिनांक 28.02.2026 गिरफ्तार किया गया। आरोपियों को नियमानुसार मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

हरिद्वार पुलिस द्वारा हुड़दंग करने वाले दो आरोपियों को दबोचा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। थाना क्षेत्र में सड़क पर सरेआम पर हो हल्ला व हुड़दंग बाजी कर रहे दो युवकों के खिलाफ थाना सिडकुल पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक इन दोनों की हुड़दंग बाजी से आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कुछ लोगों द्वारा उक्त व्यक्तियों का विरोध भी किया जा रहा था। राहगीरों में इनके कृत्य से काफी रोष था। आम जन में काफी रोश व्याप्त था मौके पर पुलिस कर्मचारियों द्वारा पहुंचकर उसको काफी समझाया बुझाया गया किंतु नहीं माने उपरोक्त व्यक्तियों के विरुद्ध अन्तर्गत धारा 170 बी0एन0एस0 के तहत हिरासत में लिया गया। अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों के नाम मिन्टू सिंह पुत्र रामचन्द्र सिंह निवासी पीपल चौक रावली महदूद थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार और विशाल विश्वकर्मा पुत्र उमा शंकर निवासी पीपल चौक रावली महदूद थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार है।

किरायेदारों का सत्यापन न कराने पर 13 मकान मालिकों किया जुर्माना

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देशानुसार चलाए जा रहे सत्यापन अभियान के क्रम में सोमवार को कोतवाली भगवानपुर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत हल्का पुहाना, भगवानपुर क्षेत्र में बिना सत्यापन निवासरत बाहरी प्रदेशों से आये कर्मचारी, मजदूर, फड़-ठेली संचालक एवं गुड़-चर्खी कार्य करने वाले व्यक्तियों के सत्यापन हेतु अलग-अलग पुलिस टीमें गठित की गईं।

सत्यापन अभियान के दौरान लगभग 120 व्यक्तियों का मौके पर ही सत्यापन किया गया। साथ ही बिना सत्यापन किरायेदार रखने वाले 13 मकान मालिकों के विरुद्ध धारा-83 पुलिस एक्ट के अंतर्गत प्रति व्यक्ति 10,000 के हिसाब से कुल 1,30,000 रुपये के कोर्ट चालान किए गए। संबंधित रिपोर्ट माननीय न्यायालय को प्रेषित की जा रही है। हरिद्वार पुलिस ने सभी मकान मालिक एवं किरायेदारों से अपील की है कि वह अनिवार्य रूप से पुलिस सत्यापन कराएं।

शांति व्यवस्था भंग करने पर दो आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्रांतर्गत मोहल्ला कड़च्छ में लड़ झगड़ कर शांति व्यवस्था भंग करने पर दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के नाम गुलशन पुत्र पप्पू निवासी इन्द्रा बस्ती कोतवाली ज्वालापुर जनपद हरिद्वार और शिव कुमार पुत्र राज कुमार निवासी मोहल्ला कडच्छ कोतवाली ज्वालापुर हरिद्वार है। पुलिस टीम में कांस्टेबल महावीर सिंह, कांस्टेबल कर्म सिंह चौहान शामिल रहे।

विधायक अनुपमा रावत का टिहरी विस्थापितों के भूमिधरी अधिकार को लेकर कलेक्ट्रेट पर धरना

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में बसे टिहरी विस्थापितों ने भूमिधरी अधिकार की मांग को लेकर सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। धरने का नेतृत्व हरिद्वार ग्रामीण की विधायक अनुपमा रावत ने किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। धरने के दौरान वक्ताओं ने कहा कि टिहरी बांध परियोजना के कारण विस्थापित हुए हजारों परिवार पिछले करीब 45 वर्षों से भूमि स्वामित्व के अधिकार के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें स्थायी भूमिधरी का अधिकार नहीं मिल पाया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि प्रशासनिक स्तर पर केवल बैठकों और आश्वासनों के माध्यम से मामले को टाला जाता रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। धरना स्थल पर पहुंचे एसडीएम और एडीएम ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, किंतु ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे। बाद में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित स्वयं धरना स्थल पर पहुंचे और प्रतिनिधिमंडल से वार्ता की। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा। विधायक अनुपमा रावत ने कहा कि विस्थापन के बाद दशकों बीत जाने के बावजूद टिहरी विस्थापितों को भूमि स्वामित्व का अधिकार न मिलना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक उदासीनता के कारण हजारों परिवार असुरक्षा की स्थिति में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने फरियादियों को दिलाया न्याय, 17 में से 10 समस्याओं का कराया निराकरण

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित 17 शिकायतें/समस्याएं दर्ज कराई गई। इनमें से 10 समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया। शेष समस्याओं को निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम में राजस्व, भूमि विवाद, विद्युत, राशन, अतिक्रमण, पेयजल आदि से संबंधित समस्या दर्ज कराई गई। जनसुनवाई कार्यक्रम में शिकायतकर्ता समस्त ग्रामवासी ग्राम रोहलकी किशनपुर बहादराबाद ने भूमाफियों द्वारा ग्राम देवता की जमीन पर कब्जा कर निर्माण किए जाने के संबंध में शिकायती पत्र दिया। अमीर खान पुत्र बलील ग्राम बेडपुर पिरान कलियर ने बेडपुर मुकर्बपुर के राशन डीलर के द्वारा भरी धांधलेबाजी किए जाने को लेकर राशन की दुकान का औचक निरीक्षण कर जांच करने के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया। प्रार्थिनी नीलम बद्री विशालपुरम नवोदय नगर ने अपने शिकायती पत्र में कहा कि बीते 11

जनवरी को उनके घर पर चोरी हो गई थी, चोरों ने घर के सामान के साथ ही सोने चांदी के गहने भी चुरा लिए थे, पुलिस द्वारा चोरों को पकड़ कर घर का सामान भी बरामद कर लिया था परंतु सोने चांदी के गहनों के बारे में अभी तक कुछ भी पता नहीं लग रहा है। प्रार्थिनी मंजू निवासी रुड़की ने अपने पति के लापता होने के कारण परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है, जिस कारण उन्होंने परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए प्रथम पत्र दिया। प्रार्थी श्याम राज सिंह निवासी शक्ति नगर सुल्तानपुर मंजरी ने ग्राम समाज द्वारा बनाई गई सड़क की नली से घर आने जाने में असुविधा एवं घर के पानी की निकासी मार्ग में अवरुद्ध हो रहा है, जिसको लेकर प्रार्थना पत्र दिया गया।

समस्याओं का अधिकारी करें त्वरित समाधान

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुनवाई में जनता द्वारा जो भी समस्याएं दर्ज कराई जा रही है उन समस्याओं को त्वरित एवं समयबद्धता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करे।उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि जिन शिकायतों पर स्थलीय निरीक्षण किया जाना है संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ स्थलीय निरीक्षण कर समस्या का समाधान करना सुनाश्चित करे। उन्होंने सभी अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि कोई भी शिकायतकर्ता व्यक्ति अपनी शिकायत को दुबारा जन सुनवाई में लेकर न पहुंचे, यदि कोई व्यक्ति अपनी शिकायत को लेकर दुबारा जन सुनवाई में आता है तथा शिकायत संबंधित अधिकारी द्वारा निस्तारित की जा सकती थी एवं समय पर शिकायत का निस्तारण नहीं किया गया तो ऐसे अधिकारियों की विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को सचेत किया है कि जन सुनवाई में क्षेत्रवासियों द्वारा जो भी समस्या दर्ज कराई जाती है उनका गंभीरता से निस्तारण करना सुनाश्चित करे।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का समय सीमा के तहत करें निस्तारण

हरिद्वार। बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज समस्याओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सीएम हेल्प लाइन में जो भी शिकायतें दर्ज की जा रही है, उनको सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ निरंकरण करना सुनिश्चित करें, उन्होंने निर्देश दिए है कि 36 दिन से अधिक जो भी शिकायतें लंबित है उनका निराकरण तत्परता से करना सुनिश्चित करें। जिसमें एल 1 पर 534 शिकायतें तथा एल 2 पर 105 शिकायतें निस्तारण हेतु लंबित है, जिन्हें शीघ्र निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए साथ ही शिकायतकर्ता से सिस्टम के माध्यम से फोन पर वार्ता करे।

बैठक में मौजूद रहे अधिकारी

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी पीआर चौहान, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, एसीएमओ डॉ अनिल कुमार गोयल, उपजिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, मुख्य कोषाधिकारी अजय कुमार, जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल, अधिशासी अभियंता यूपीसीएल दीपक सैनी, जिला अर्थ संख्या आधिकारी नलिनी ध्यानी, जिला प्रोविजन अधिकारी अविनाश भदौरिया, एआरटीओ निखिल शर्मा, नेहा झा सहित जिला स्तरीय सम्बन्धित अधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादी मौजूद रहे।

एक नजर

हरिद्वार डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के होली मिलन कार्यक्रम में हास्य कवियों ने खूब हंसाया

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन का होली मिलन कार्यक्रम विराट हास्य कवि सम्मेलन चंद्राचार्य चौक स्थित बैंक्वेट हॉल में मनाया गया। कार्यक्रम में हास्य कवियों सीमा वैष्णव डोबल, जितेंद्र प्रीतम, गुड्डू शादीशुदा, विजय चौबे, मंजू शाक्य ने अपनी कविताओं से लोगों को खूब गुदगुदाया। इस अवसर पर एसोसिएशन अध्यक्ष सुरेन्द्र भटेजा ने कहा कि सभी त्यौहार मिलजुलकर मनाएं। होली एक ऐसा पर्व है जिसमें सभी गिले शिकवे भुलाकर एकजुट होने का संदेश देता है। विधायक मदन कौशिक, विधायक आदेश चौहान ने कहा कि होली रंगों का त्यौहार है और हर उम्र के लोग इसे बहुत उल्लास से मनाते हैं। व्यस्तम भरे जीवन के बीच इस प्रकार के कार्यक्रम में लोग एक दूसरे से मिलते हैं। कोषाध्यक्ष सुनील अरोड़ा ने कहा कि एसोसिएशन प्रतिवर्ष होली, दिवाली, जन्माष्टमी आदि का कार्यक्रम धूमधाम से मनाता है। होली के दौरान सावधानियां भी बरतनी चाहिए। इस अवसर पर जीएसटी संयुक्त आयुक्त संजीव सोलंकी, फूड सेफ्टी आयुक्त आरएस रावत, दिलीप जैन, आशीष भार्गव, राकेश शर्मा, राजकुमार अरोड़ा, उज्ज्वल पंडित, सिद्धार्थ चक्रपाणि, रजनीकांत शुक्ला, रुपेश गोयल, अतुल गोयल, शलभ गोयल, तरुण भाटिया, संदीप वैष्णव, अंशुल गोयल, अभितेश गुप्ता, संजय बजाज, कैलाश, मनास गोयल, संजय अरोड़ा, अभिषेक बाटला, प्रमोद तनेजा, अंकित बंसल, इंद्रजीत, राजीव चड्ढा, प्रवीण गाबा, कमलकांत चावला, राजबीर मंगल, ललित शर्मा, दीपक गोयल, संजीव बब्बर, प्रभाष कंसल, तुषार गाबा, ऋषिलाल, शशि मनचंदा, कमल अरोड़ा, निखिल गोयल आदि उपस्थित थे।

धोखाधड़ी के मामले में फरार आरोपी को दिल्ली से पकड़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार नवनीत सिंह के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना सिडकुल पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना सिडकुल पुलिस ने फरार आरोपी आसिफ पुत्र एजाजुल शेख को दिल्ली से हिरासत में लिया। आरोपित वर्ष 2025 से लगातार फरार चल रहा था। गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा संभावित स्थानों पर लगातार दबिश दी जा रही थी।आरोपी बार-बार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस को गुमराह कर रहा था। मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी को उसके मसकन दिल्ली से हिरासत में लिया। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। पुलिस टीम में अ0उ0नि0 सुभाष रावत और कांस्टेबल प्रमोद गोस्वामी शामिल रहे।

होली पर नकली नोट खपाने की थी तैयारी, पुलिस ने पहले ही पकड़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

होली पर्व पर बाजारों में नकली नोट खपाने की तैयारी को कोतवाली रुड़की पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए नाकाम कर दिया। पुलिस ने भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्र से एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 19 हजार रुपये के जाली नोट बरामद किए हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देशन में त्योहारों के मद्देनजर चलाए जा रहे विशेष चेकिंग अभियान के तहत कोतवाली रुड़की पुलिस को यह महत्वपूर्ण सफलता मिली। पुलिस के अनुसार, बीती 1 मार्च की रात कोतवाली रुड़की पुलिस टीम नियमित मोबाइल गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कलियर रोड स्थित सोनाली पार्क के सामने एक व्यक्ति मोटरसाइकिल के साथ खड़ा है, जो नकली नोटों का कारोबार करता है और उन्हें बाजार में चलाने की फिराक में है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान मुकेश कुमार गर्ग (52 वर्ष) पुत्र कुंवर सेन, निवासी मोहल्ला सेनियान, कस्बा एवं थाना शाहपुर, जिला मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 500 के कुल 38 जाली नोट बरामद हुए। पुलिस का कहना है कि आरोपी होली पर्व से पहले बाजारों में नकली नोट खपाने की योजना बना रहा था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर कोतवाली रुड़की में मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी किसी बड़े गिरोह से जुड़ा है या नहीं।

पति से मिलने आयी महिला के साथ दुष्कर्म, होटल मैनेजर समेत तीन गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

धर्मनगरी हरिद्वार में पति से मिलने आई एक महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए होटल मैनेजर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले की रहने वाली है और उसका पति हरिद्वार स्थित सिडकुल क्षेत्र की एक फैक्ट्री में कार्यरत है। महिला शनिवार देर शाम अपने पति से मिलने हरिद्वार पहुंची थी। आरोप है कि बस अड्डे के पास एक ऑटो चालक ने उसे बहला-फुसलाकर अपने वाहन में बैठा लिया। कुछ दूरी पर ले जाकर महिला को एक कार में बैठा दिया गया। बताया जा रहा है कि कार चालक महिला को शिवमूर्ति गली स्थित एक होटल में ले गया, जहां ऑटो चालक भी पीछे-पीछे पहुंच गया। पीड़िता का आरोप है कि होटल में ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। घटना के बाद महिला किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बचकर शहर कोतवाली पहुंची और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। शहर कोतवाली प्रभारी रितेश शाह ने बताया कि शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले की

गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और लोकेशन ट्रेसिंग के आधार पर आरोपियों को नहर पटरी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों में एक नहटौर (बिजनौर) का निवासी, वर्तमान में सराय ज्वालापुर के श्रीराम एन्क्लेव में रह रहा है। दूसरा आरोपी ज्वालापुर के शास्त्रीनगर कड़च्छ क्षेत्र का निवासी है, जबकि तीसरा आरोपी होटल मैनेजर है, जो मूल रूप से कुंदरकी (मुरादाबाद) का रहने वाला है और फिलहाल हरिद्वार में रह रहा था। आरोपियों में एक कार चालक और एक ऑटो चालक शामिल है।

कोतवाली प्रभारी रितेश शाह ने बताया कि मामले में सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है और होटल प्रबंधन की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

संपादकीय

चाणक्य की धरती पर चंद्रगुप्त की तलाश

भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि विचार, ज्ञान और नेतृत्व की महान परंपरा का देश है। इस धरती ने ऐसे गुरु दिए जिन्होंने साधारण व्यक्तित्वों को असाधारण बना दिया। इतिहास साक्षी है कि जब दूरदर्शी मार्गदर्शक और दृढ़ निश्चयी युवा का संगम होता है, तब युग परिवर्तन की नींव रखी जाती है। चाणक्य और उनके शिष्य चंद्रगुप्त मौर्य इसका सर्वोत्तम उदाहरण हैं।

चाणक्य ने केवल राजनीति नहीं सिखाई, बल्कि राष्ट्रचिंतन, धैर्य, रणनीति और चरित्र निर्माण का पाठ पढ़ाया। उन्होंने एक साधारण बालक में सम्राट की संभावनाएँ देखीं और उसे उस स्तर तक पहुँचाने के लिए कठोर परिश्रम, अनुशासन और दूरदृष्टि का मार्ग दिखाया। परिणामस्वरूप चंद्रगुप्त ने न केवल एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की, बल्कि भारत को संगठित शक्ति का स्वरूप भी दिया। यह कथा बताती है कि प्रतिभा हर युग में होती है, आवश्यकता उसे पहचानने और सही दिशा देने की होती है।

आज के भारत में युवाओं की संख्या विशाल है, ऊर्जा अपार है, अवसर भी पहले से अधिक हैं, लेकिन स्पष्ट दिशा का अभाव दिखाई देता है। आधुनिकता की चकाचौंध, त्वरित सफलता की चाह और प्रतिस्पर्धा का दबाव कई बार युवाओं को मूल लक्ष्य से भटका देता है। ऐसे समय में समाज को पुनः चाणक्य जैसे मार्गदर्शकों की आवश्यकता है–जो केवल करियर नहीं, चरित्र गढ़ें; जो केवल सफलता नहीं, जिम्मेदारी का बोध कराएँ।

शिक्षा व्यवस्था को भी इस ऐतिहासिक प्रेरणा से सीख लेनी होगी। अंकों और पदों की दौड़ से आगे बढ़कर नेतृत्व, नैतिकता और राष्ट्रहित की भावना विकसित करनी होगी। गुरु-शिष्य संबंध केवल औपचारिक न रहे, बल्कि विश्वास और अनुशासन पर आधारित हो। जब शिक्षक विद्यार्थियों में संभावनाएँ खोजेंगे और युवा अपने भीतर अनुशासन व धैर्य विकसित करेंगे, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।

चाणक्य और चंद्रगुप्त की कहानी हमें यह संदेश देती है कि महान राष्ट्र निर्माण के लिए दूरदर्शी चिंतन और अटूट संकल्प दोनों आवश्यक हैं। यदि आज का भारत अपने युवाओं को सही मार्गदर्शन, नैतिक शिक्षा और आत्मविश्वास प्रदान करे, तो इस धरती पर चंद्रगुप्त की तलाश अधूरी नहीं रहेगी। इतिहास फिर स्वयं को दोहराने को तैयार है–बस आवश्यकता है सही दिशा और दृढ़ इच्छाशक्ति की।

शेयर बाजार में 30 सेकंड में 7.80 लाख करोड़ डूबे

भारतीय शेयर बाजार में इजराइल-अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद, जिस तरह से सारी दुनिया में अफ़रा-तफरी का माहौल बना है, इसका सबसे ज्यादा असर शेयर बाजारों पर पड़ा है। इसमें भी सबसे ज्यादा असर भारतीय शेयर बाजार में हुआ है। बाजार खुलते ही 30 सेकंड के अंदर निवेशकों के लगभग 7.80 लाख करोड रुपए एक ही झटके में डूब गए। उसके बाद घरेलू संस्थागत निवेश को ने 2292.8 करोड़ रुपए की खरीददारी कर बाजार को गिरने से रोका। सोमवार को बाजार खुलते ही शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली देखने को मिली। 7536.4 करोड़ के शेयर विदेशी निवेशकों के बेचते ही भारतीय बाजार में कोहराम मच गया। शेयर बाजार की अस्थिरता से इंडेक्स 15 फ़ीसदी उछलकर 15.78 पर पहुंच गया। उसके बाद निवेशकों ने डूबने से बचने के लिए भारी बिकवाली शुरू कर दी। शेयर बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि की आशंका को देखते हुए सभी सेक्टर में भारी बिकवाली देखने को मिली। देखते ही देखते निफ़्टी 350 अंकों से ज्यादा का गोता लगाने के बाद देसी संस्थागत निवेशकों के कारण निवेशको की ऑक्सीजन लेने की स्थिति बनी। शेयर बाजार में शाम को कारोबार बंद होने के समय निफ़्टी 313 अंकों की गिरावट के साथ 24865 तथा मुंबई स्टॉक एक्सचेंज 1043 अंकों की गिरावट के साथ 80238 पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार में गिरावट के लिए मुख्य रूप से इजरायल और अमेरिका की ओर से ईरान पर जो हमला किया गया था, उस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मृत्यु हो जाने के बाद दुनिया के कई देशों में हालात बिगड़ गए। ईरान ने प्रतिक्रिया स्वरूप पश्चिम एशिया के उन देशों पर हमला किया, जहां पर अमेरिकी सैन्य अड्डे थे। ईरान के हमले से अमेरिकी सैन्य अड्डों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। यह माना जाता था, अमेरिका के यह सबसे सुरक्षित सैन्य क्षेत्र हैं। ईरान के हमले से तेल उत्पादक देशों में बड़े पैमाने पर अफरा-तफरी मच गई है। कच्चे तेल के दाम में लगभग सात फ़ीसदी से अधिक की तेजी देखने को मिली। कच्चे तेल का भाव बढ़कर 82.5 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। ईरान ने होमुर्ज से समुद्री आवाजाही को बंद कर दिया। कच्चे तेल के एक जहाज ने जबरदस्ती निकालने की कोशिश की। उस पर मिसाइल से हमला कर उसे जला दिया गया। जिसके कारण तेल की आपूर्ति पूरी तरह से बंद हो गई है। सोमवार को दुनिया भर के सभी बाजारों में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में भारी इजाफा देखने को मिला है। दुनिया भर के सभी शेयर बाजारों में हड़कंप की स्थिति बनी। भारतीय रुपया भी डॉलर के मुकाबले तेजी के साथ गिरा। डॉलर इंडेक्स इस समय 97.9 पर है। इस गिरावट को रोकने के लिए रिजर्व बैंक कोई हस्तक्षेप कर सकता है। इसका इंतजार आयातक कर रहे हैं। युद्ध को लेकर तीसरे दिन जिस तरह से ईरान ने ताबड़-तोड़ हमले किये है, उससे यूरोप के देशों में हड़कंप की स्थिति देखने को मिल रही है। इस युद्ध में तीसरे दिन ही अमेरिका और इजरायल को भी तगड़ा झटका लगा है। उन्हें इतने कड़े प्रतिरोध की आशा ईरान से नहीं थी। भारत की आर्थिक स्थिति पर इस युद्ध का सबसे गंभीर असर पड़ने जा रहा है। भारत 90 प्रतिशत कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस आयात करता है। जिस तरह से इनकी सप्लाई बाधित हुई है, कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस के दामों में तेजी आना शुरू हुई है। उसका बहुत बड़ा असर भारत की महंगाई, बेरोजगारी तथा अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। इस युद्ध में भारत की भूमिका एक तरह से मूक दर्शक की तरह है। भारत के प्रधानमंत्री युद्ध शुरू होने के 1 दिन पहले इजरायल की यात्रा पर थे। इजराइल से भारत आने के साथ ही ईरान पर हमला शुरू हो गया था। भारत युद्ध में कोई भाग नहीं ले रहा है, इसके बाद भी भारत निष्पक्ष भूमिका में नहीं रह गया है। भविष्य में भारत को इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। अमेरिका रोजाना भारत को आंखें दिखा रहा है। वर्तमान में रूस और ईरान से भी भारत की दूरियाँ बढ़ गई हैं। आगे चलकर भारत को बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। शेयर बाजार की गिरावट यदि एक हफ्ते भी बनी रही तो भारतीय शेयर बाजार का भगवान ही मालिक होगा, ऐसा अर्थ विशेषज्ञ कहने लगे हैं। भारतीय अर्थ-व्यवस्था 1990 की स्थिति में पहुंचने के आसार बन गये हैं।

सदाआनंद रहें यही द्वारे, मोहन खेले होरी हो

बिनोद कुमार सिंह

भारत पर्व-त्योहारों का देश है - विविधताओं से भरा, .किंतु सांस्कृतिक आत्मा से एकसूत्र में गुँथा हुआ। इसी सांस्कृतिक चेतना के विराट आकाश में यदि कोई उत्सव अपनी बहुरंगी छटा,लोक ध्वनि,पौराणिक स्मृतियों और प्रेमरस की मधुरता के कारण सर्वाधिक जीवंत प्रतीत होता है, तो वह होली है।होली केवल रंगों का उत्सव नहीं,यह ऋतु-परिवर्तन का सांस्कृतिक विधान, लोकजीवन का उत्स, संगीत और किंदन्तियों का आलोक तथा सामाजिक समरसता का सजीव प्रतीक है।

फाल्गुन के आगमन के साथ जब शीत ऋतु की कठोरता शिथिल पड़ती है,आम्र-मंजरियों की सुगंध वातावरण में घुलती है और प्रकृति नवयौवन से दीप्त होती है, तब भारतीय जनमानस में होली की स्मृतियाँ और परम्पराएँ जाग उठती हैं। यह केवल मौसम का परिवर्तन नहीं,जीवन के नवोन्मेष का संकेत है-जड़ता से चेतना की ओर, संकुचन से विस्तार की ओर।

होली का पौराणिक आधार भारतीय मानस में गहरे प्रतिष्ठित है।भक्त प्रह्लाद,असुरराज हिरण्यकशिपु और होलिका की कथा धर्म और अधर्म, आस्था और अहंकार के शाश्वत संघर्ष की प्रतीक है।फाल्गुन पूर्णिमा की रात्रि को प्रज्ज्वलित होलिका- दहन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं,अपितु आत्मशुद्धि और सामाजिक चेतना का संस्कार है। अग्नि की परिक्रमा करते समय व्यक्ति अपने अंतःकरण की नकारात्मकताओं को त्यागने और सत्य, करुणा तथा नवजीवन का संकल्प लेने का भाव जगाता है।

कृषि-संस्कृति से जुड़े समाज में यह पर्व नई फसल के स्वागत का भी प्रतीक रहा है।खेतों की हरियाली, श्रम की सार्थकता और सामूहिक उल्लास - ये सब होली की अग्नि में मानो संस्कारित होते हैं। इस प्रकार होली केवल पौराणिक स्मृति नहीं, ग्रामीण जीवन की धड़कन भी है।

ब्रजभूमि में होली का स्वरूप विशिष्ट सांस्कृतिक आयाम ग्रहण करता है। मथुरा,वृंदावन और बरसाना की होली भारतीय लोकपरम्परा का सजीव उदाहरण है। यहाँ यह उत्सव केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि राधा-कृष्ण की प्रेमलीलाओं की सांस्कृतिक पुनर्रचना है।बरसाना की लठमार होली में स्त्रियाँ पारम्परिक परिधान धारण कर लाठियों के साथ प्रतीकात्मक नृत्य-नाट्य प्रस्तुत करती हैं और पुरुष ढाल लेकर उस रसपूर्ण परम्परा को निभाते हैं।यह आयोजन केवल हास्य-परिहास नहीं, लोकनाट्य की सशक्त अभिव्यक्ति है,जिसमें प्रेम का अल्हड़पन और सामाजिक संवाद का सहज स्वर मिलता है।

वृंदावन के मंदिरों में फूलों की होली का विशेष महत्व है। पुष्पवर्षा के बीच गाए जाने वाले होरी-गीत वातावरण को भक्ति और श्रृंगार-रस से परिपूर्ण कर देते हैं। 'आज बिरज में होरी रे रसिया' जैसे पद केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्मृति के संवाहक हैं।उनमें राधा का मान, कृष्ण की चंचलता, गोपियों की अनुरक्ति और ब्रज की रसमयी चेतना सजीव हो उठती है।

होली के साथ जुड़ी एक अन्य किंदन्ती शिव-पार्वती से भी सम्बद्ध है।फाल्गुन की मादकता में जब कामदेव ने भगवान शिव की तपस्या भंग करने का प्रयास किया,तब शिव के तृतीय नेत्र की ज्वाला से उसका दहन हुआ।किंतु रति के करुण विलाप से प्रसन्न होकर शिव ने उसे अनंग रूप में पुनर्जीवन दिया। इस कथा में काम,संयम और करुणा का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है - जो होली के प्रेमरस को एक आध्यात्मिक आधार प्रदान करता है।

भारतीय शास्त्रीय संगीत में भी होरी का विशिष्ट स्थान है।धमार,ठुमरी और दादरा जैसी शैलियों में होली के पदों का गायन होता रहा है। श्रृंगार और भक्ति का यह अद्भुत संगम भारतीय संगीत परम्परा की गहराई को दर्शाता है।लोक और शास्त्र का यह सेतु ही हमारी सांस्कृतिक पहचान है।

उत्तर भारत में फाग या फगुआ के नाम से प्रचलित लोकगीत होली की आत्मा हैं।ढोलक,मंजीरा और झांझ की थाप पर गूँजते ये गीत समाज को एक सूत्र में बाँधते हैं। अवध में चौताल और धमाल की परम्परा,बिहार और पूर्वांचल में फगुआ की विशिष्ट शैली, राजस्थान में गेर नृत्य - ये सभी होली के विविध रंग हैं।पंजाब में आनंदपुर साहिब में आयोजित होला मोहल्ला सामुदायिक अनुशासन और शौर्य का प्रतीक है।पश्चिम बंगाल में डोल पूर्णिमा के अवसर पर कीर्तन और सांस्कृतिक शोभायात्राएँ इस पर्व को भक्ति और संगीत से आलोकित करती हैं।इस प्रकार क्षेत्रीय विविधताएँ मिलकर राष्ट्रीय एकता का विराट स्वर रचती हैं।प्रकृति से जुड़ी रंग-परम्परा भी होली की विशिष्ट पहचान रही है। टेसू या पलाश के फूलों से केसरिया रंग,गुलाब और कचनार की पंखुड़ियों से गुलाल,हल्दी और चंदन का प्रयोग - ये सब केवल सौंदर्य के लिए नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और पवित्रता के प्रतीक थे।रंगों की यह सृष्टि प्रकृति के प्रति संवेदन शीलता और सामूहिक श्रम की संस्कृति को पुष्ट करती थी।

सामाजिक दृष्टि से होली समता और संवाद का पर्व है।रंग लगाने की परम्परा यह संदेश देती है कि बाह्य भेद अस्थायी हैं; अंतःकरण का प्रेम ही शाश्वत है।ग्रामीण समाज में इस अवसर पर पुराने विवाद भुलाकर मेल-मिलाप की परम्परा रही है।समय के साथ होली का स्वरूप परिवर्तित अवश्य हुआ है। शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली ने इसकी अभिव्यक्ति को नया रूप दिया है - तेज ध्वनि वाले संगीत,कृत्रिम रंग और भव्य आयोजनों के माध्यम से।किंतु इसके मूल में स्थित प्रेम, उल्लास और सांस्कृतिक चेतना आज भी अक्षुण्ण है।

ब्रज की रसमयी होली,बरसाने की लठमार परम्परा,अवध का फाग, बिहार का फगुआ,राजस्थान की गेर,पंजाब का होला और बंगाल की डोल-ये सभी मिलकर होली को राष्ट्रीय सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बनाते हैं।विविधता में एकता का यह स्वरूप भारतीय संस्कृति की आधारशिला है।फाल्गुन की मदमस्त बयार में जब ढोलक की थाप और फाग के स्वर गूँजते हैं,तब प्रतीत होता है कि होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय समाज की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। इसमें पौराणिक स्मृति,लोककला, संगीत,प्रकृति और सामाजिक समरसता का अद्भुत सामंजस्य दिखाई देता है।

गधे पर बैठकर होली खेलने की अनूठी परम्परा!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

होली के लिए कहा जाता है कि जब मौसम में बासंती ब्यार बहने लगे और लोगो में मस्ती का भाव कुलमुलाने लगे और प्रकृति अपना आवरण बदलने लगे तो समझो फाल्गुन आ गया यानि होली ने आपके द्वार पर दस्तक दे दी है। होली एक ऐसा पर्व है जो स्वयं ही लोगो के दिलो में उमंगता लाकर उन्हे अपने रगं में रगंने लगती है। प्रकृति का यही उल्लास लोगो के मन में एक नई उमंग,एक नई खुशी,एक नई स्फूर्ति को जन्म देकर उनके मन को आल्हादित करता है। प्रकृति की इस अनूठी छटा व मादकता के उत्सव को होलिकोत्सव के रूप में मनाए जाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस पर हम सब रंगो से सराबोर हो जाते है। होली के इस पर्व को यौवनोत्सव, मदनोत्सव, बसंतोत्सव,दोलयात्रा व शिमागा के रूप में मनाये जाने की परम्परा है। फाल्गुन मास के अन्तिम दिन मनाए जाने वाले रंगो के इस पर्व होलिकोत्सव को लेकर यूं तो विभिन्न कथाए प्रचलित है।लेकिन इस पर्व की वास्तविक शुरूआत प्रकृति परिवर्तन से ही होती है। प्रकृति अपना आवरण बदलती है। पेड पोधे अपने पुराने पत्तो को त्यागकर ,पेड का तना अपने बक्कल को छोडकर नये पत्तो व नये स्वरूप में परिवर्तित होते है। इसी प्रकार मनुष्य के शरीर की खाल तक धीरे धीरे बदल जाती है। पांच तत्वों से बना हमारा शरीर भी चूंकि प्रकृति का अंग है इसकारण वह भी मन और शरीर दोनो तरह से अपने आपमें परिवर्तन का अनुभव करता है। यही अनुभव हम होली के रूप में तहसूस करते है। होली अर्थात पवित्रता का पर्व होली शब्द को यदि अंग्रेजी भाषा रूप में देखे तो इसका अर्थ पवित्र है। यानि होली को पवित्रता का त्यौहार भी माना जाता है। जिसमें सब आपसी ईष्या व द्वेष मिटाकर पवित्र मन से नई फसल आने की खुशी होली रूप में मनाते है। यदि यह पर्व पवित्र है,तो फिर इस पवित्र और पावन पर्व पर हुडदंग कैसा ?यह पर्व प्रकृति के नवपरिवर्तन से जुडा है। प्रकृति जब अपना आवरण बदलने लगती है मौसम में बासंती ब्यार बहने लगती और लोगो में प्यार और मोहब्बत का भाव जगाने लगती है तो समझो फाल्गुन का मौसम आ गया और होली अर्थात पवित्रता के रंग में रंगने का अवसर भी आ गया। होली लोगो के दिलो पर

दस्तक देकर उन्हे अपने रगं में रगंने लगती है। प्रकृति का यही उल्लास लोगो के मन में एक नई उमंग,एक नई खुशी,एक नई स्फूर्ति को जन्म देकर उनके मन को आल्हादित करती है। प्रकृति की इस अनूठी छटा व मादकता के उत्सव को होलिकोत्सव के रूप में मनाए जाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है।

होली की मशहूर कथाएं

धार्मिक पुस्तको व शास्त्रों में होली को लेकर विभिन्न दन्त कथायें प्रचलित है। इन कथाओं के अनुसार नारद पुराण में यह पर्व हिरण्यकश्यप की बहन होलिका के अन्त व भक्त प्रहलाद की ईश्वर के प्रति आस्था के प्रति विजय का प्रतीक है। प्रचलित कथा के अनुसार हिरण्य कश्यपको जब उनके पुत्र प्रहलाद ने भगवान मानने से इंकार कर दिया तो अहंकारी शासक हिरण्य कश्यप ने अपने पुत्र प्रहलाद की हत्या के लिए उसे आग में न जलने का वरदान प्राप्त होलिका की गोद में जलती चिता में बैठा दिया किन्तु होलिका का आग में न जलने का वरदान काम नही आया और वह आग में जलकर भस्म हो गई। जबकि प्रहलाद सकुशल बच गया। तभी से होलिकोत्सव पर होली दहन की परम्परा की शुरूआत हुई। होली के पर्व को मुगल शासक भी शान से मनाया करते थे। मुगल बादशाह अकबर अपनी महारानी जोधाबाई के साथ जमकर होली खेलते थे। बादशाह जहांगीर ने भी पत्नी नूरजहां के साथ रंगो की होली खेली। इसी तरह बादशाह औरंगजेब ,उनके पुत्र शाह आलम और पोत्र जहांदर शाह ने भी होली का त्योहार रंगो के साथ मस्ती के आलम में मनाया जिसका उल्लेख इतिहास में पढने को मिलता है। जिससे स्पष्ट है कि हिन्दू ही नही मुस्लमान भी होली का पर्व मनाते रहे है। पिरान कलियर के वार्षिक उर्स में विदेशों से आने वाले जायरीन हर साल फूलो की होली खेलते है, जिसमें हिन्दू और मुस्लमान दोनो शामिल होते है। राजस्थान के सांभर की होली राजस्थान में सांभर की होली का अपना महत्व है। सांभर की होलीमनाने के लिए आदिवासी समाज की लडकियां वस्त्रो की जगह अपने शरीर को टेसू की फूल मालाओं से ढककर अपने प्रेमियों के साथ नदी किनारे जाकर सर्प नृत्य करती है। इस सर्प नृत्य के बाद इन लडकियो की शादी उनके प्रेमियों के साथ कर दी जाती है। राजस्थान में ही हाडोती की कोडामार होली जिसमें देवर भाभी व जीजा शाली एक दुसरे को कोडे मार कर होली के रगं में रंग जाते है। इसी राजस्थान में होली पर अकबर बीरबल की शोभा यात्रा निकालकर होली का रगं व गुलाल खेला जाता है। राजस्थान के बाडमेंर में तो होली की मस्ती के लिए जीवित व्यक्तियों की शवयात्रा बैण्डबाजे के साथ निकालने की परम्परा है। वही राजस्थान के जालोर क्षेत्र में होली पर लूर नृत्य किया जाता है तो झालावाड क्षेत्र में गधे पर बैठकर होली की मस्ती में झूमने की परम्परा है। बीहड क्षेत्र में तो पुरूष धाधरा चोली पहन कर ढोल नंगाडे बजाते हुए होली का नृत्य करते है तथा होली का गायन करते है। मथुरा की लठठमार होली बीकानेर की डोलचीमार होली की कहानी भी गजब है। लठठमार होली मथुरा के बरसाने में खेली जाती है। जिसमें महिलाए पुरूषो पर लठठ से प्रहार करती है और पुरूष ढाल का उपयोग कर अपना बचाव करते हैइस लठठमार होली को देखने के लिए देश विदेश से बडी सख्या में श्रद्धालु मथुरा आते है। भले ही इस होली को लठठमार होली के रूप में मनाया जाता हो परन्तु किसी के भी मन में होली खेलते समय कोई बैर भाव नही होता सभी प्यार और माहब्बत को नया जन्म देने के लिए यह होली खेलते है।

चमियाला बहुद्देश्यीय पार्किंग और डीडीहाट टैक्सी स्टैंड परियोजनाओं के निर्माण कार्यों में तेजी के निर्देश

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में राज्य सरकार ने विकास परियोजनाओं की मॉनिटरिंग तेज कर दी है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के क्रम में आवास विभाग द्वारा लंबित महत्वपूर्ण योजनाओं की नियमित समीक्षा कर उन्हें शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में राज्य सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में जनपद टिहरी गढ़वाल की तहसील बालगंगा अंतर्गत चमियाला बहुद्देश्यीय पार्किंग निर्माण परियोजना तथा जनपद पिथौरागढ़ के डीडीहाट टैक्सी स्टैंड निर्माण कार्य की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागों को परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और लंबित प्रशासनिक व तकनीकी औपचारिकताओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

भूमि विवाद सुलझने के बाद चमियाला

पार्किंग परियोजना को मिली रफ्तार

नगर पंचायत चमियाला में प्रस्तावित बहुद्देश्यीय पार्किंग परियोजना भूमि संबंधी तकनीकी कारणों से लंबे समय से लंबित थी। मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत स्वीकृत इस परियोजना के लिए ?166.93 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिसमें से ?100.158 लाख की प्रथम किश्त पूर्व में अवमुक्त की जा चुकी है।

समीक्षा बैठक में अवगत कराया गया कि पार्किंग निर्माण हेतु कुल 340 वर्गमीटर भूमि चिन्हित की गई थी, जिसमें पर्यटन विभाग एवं स्थानीय व्यापार मंडल की भूमि सम्मिलित थी। प्रारंभिक स्तर पर भूमि स्वामित्व से संबंधित स्पष्टता न होने के कारण निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका। अब नगर पंचायत एवं व्यापार मंडल के मध्य समन्वय स्थापित होने तथा मीटिंग हॉल एवं शौचालय निर्माण की शर्त पर भूमि उपलब्ध कराने की सहमति बनने से परियोजना को नई गति मिली है। आवास सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रियाएं शीघ्र पूर्ण कर निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ कराया जाए। जनपद पिथौरागढ़ के डीडीहाट क्षेत्र में प्रस्तावित टैक्सी स्टैंड परियोजना की भी गहन समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत स्वीकृत इस परियोजना के लिए ?389.95 लाख लागत का आगणन अनुमोदित किया गया था तथा ?155.98 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है।

बैठक में निर्णय लिया गया कि परियोजना को चरणबद्ध रूप से विकसित करने के बजाय आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक सुरक्षित एवं समेकित परिवहन केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए ?612.48 लाख लागत का विस्तृत पुनरीक्षित प्रस्ताव तैयार कर शासन को स्वीकृति हेतु भेजा गया है। परियोजना लागत ?5 करोड़ से अधिक होने के कारण इसे तकनीकी समीक्षा प्रकोष्ठ (ङ्घष्ट) को परीक्षण एवं अनुमोदन हेतु अग्रसारित किया गया है। स्वीकृति प्राप्त होते ही निर्माण कार्य नियमानुसार प्रारंभ किया जाएगा।

आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार पर्वतीय क्षेत्रों के संतुलित एवं सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चमियाला पार्किंग एवं डीडीहाट टैक्सी स्टैंड जैसी परियोजनाएं स्थानीय व्यापार, पर्यटन गतिविधियों और रोजगार सृजन से सीधे जुड़ी विकास योजनाएं हैं।

उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा लंबित परियोजनाओं में उत्पन्न तकनीकी, प्रशासनिक एवं भूमि संबंधी बाधाओं को पारदर्शी समन्वय के माध्यम से दूर किया जा रहा है, ताकि मुख्यमंत्री घोषणाओं का लाभ आम जनता तक शीघ्र पहुंच सके।

पर्वतीय क्षेत्रों में आधुनिक पार्किंग एवं सुव्यवस्थित टैक्सी स्टैंड विकसित होने से यातायात दबाव में कमी आएगी, सड़क सुरक्षा सुदृढ़ होगी तथा पर्यटन प्रबंधन अधिक प्रभावी बनेगा। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए स्वरोजगार एवं व्यापारिक गतिविधियों के नए अवसर सृजित होंगे।

डीएम सविन बंसल ने लापरवाह अधिकारियों पर दिखाई सख्ती, जनता को राहत

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर जिला प्रशासन के जनदर्शन कार्यक्रम पर आमजन का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ऋषिपर्णा सभागार में जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में आयोजित जनता दर्शन/जनसुनवाई कार्यक्रम में कुल 92 शिकायतें दर्ज की गईं। भूमि विवाद, अवैध कब्जा, सीमांकन, आर्थिक सहायता, फीस माफी, उपचार, अतिक्रमण और आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को जिलाधिकारी ने गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण के कड़े निर्देश दिए।

एचडीसी कॉलोनी में धंसी सीवर लाइन, अनुपस्थित इंजीनियर का वेतन रोका

एचडीसी कॉलोनी निवासी 80 वर्षीय एल.एन. नौटियाल ने मोहल्ले में धंसी सीवर लाइन, क्षतिग्रस्त सड़क और जलभराव की समस्या उठाई। शिकायत पर जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता से स्पष्टीकरण तलब किया। जनदर्शन में अनुपस्थित पाए जाने पर उनके एक दिन के वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए। एडीएम को मामले की

जांच कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया।

न्यायालय आदेश के बावजूद कब्जा, एसडीएम से मांगी रिपोर्ट

मोथरोवाला निवासी बुजुर्ग दंपत्ति ने न्यायालय के आदेश के बावजूद घर खाली न करने और उत्पीड़न की शिकायत की। डीएम ने एसडीएम सदर को तत्काल कार्रवाई कर 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

संपत्ति विवाद में बुजुर्गों के उत्पीड़न पर सख्ती

राजीव नगर निवासी वृद्धा मंजू देवी की शिकायत पर डीएम ने 'भरण-पोषण अधिनियम' के अंतर्गत मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए। अजबपुर कलां निवासी सीमा उनियाल के प्रकरण में तहसीलदार को मौके पर जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। डोईवाला निवासी मीना क्षेत्री के मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को 'सीनियर सिटीजन एक्ट' के अंतर्गत वाद दर्ज करने के निर्देश दिए गए। साथ ही डीएम ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाने हेतु 'सारथी वाहन' उपलब्ध कराया।

शिक्षा और उपचार मामलों में संवेदनशील पहल

लख्खीबाग निवासी मौ0 यासीन द्वारा पुत्र की फीस माफी की गुहार पर जिला शिक्षा अधिकारी को नियमानुसार राहत दिलाने के निर्देश दिए गए।

वाहन दुर्घटना में घायल युवक के उपचार हेतु आयुष्मान कार्ड सक्रिय न होने की शिकायत पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को तत्काल स्थिति स्पष्ट कर उसी दिन रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया।

जर्जर सड़क, गंदगी और अतिक्रमण पर 10 मार्च तक रिपोर्ट

मोहकमपुर-नेहरूग्राम क्षेत्र की जर्जर सड़कों, झुके विद्युत पोल, झूलती तारों और अतिक्रमण की शिकायत पर लोक निर्माण विभाग को 10 मार्च तक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण, 15 मार्च तक आख्या

केदारपुरम कॉलोनी क्षेत्र में सरकारी भूमि पर तारबाड़ कर कब्जे की शिकायत पर एसडीएम सदर को राजस्व अभिलेखों की जांच कर 15 मार्च तक स्पष्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया।

देहरादून–डोईवाला परिवहन सेवा पर जवाब तलब

देहरादून से डोईवाला, भानियावाला, रानीपोखरी और भोगपुर तक प्रस्तावित स्मार्ट सिटी/इलेक्ट्रिक बस सेवा प्रारंभ न होने पर जिलाधिकारी ने संबंधित प्रबंधन से 17 मार्च तक कारण सहित रिपोर्ट मांगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुविधाओं से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी सविन बंसल ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनता को शीघ्र राहत मिल सके। जनदर्शन कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वि.रा.) केके मिश्रा, विभिन्न एसडीएम तथा जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

गंभीर रूप से घायल अयातुल्ला अली खामेनेई की पत्नी का इलाज के दौरान निधन

तेहरान। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की पत्नी मंसूरेह खोजस्तेह बाघेरजादेह का इलाज के दौरान निधन हो गया है। सरकारी मीडिया के अनुसार, हाल में हुए अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हवाई हमलों में वह गंभीर रूप से घायल हो गई थीं, जिसके बाद अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। इसी दौरान उनकी मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि 28 फरवरी को तेहरान सहित कई अहम ठिकानों पर हुए बड़े एयरस्ट्राइक में अयातुल्ला अली खामेनेई भी मारे गए थे। इन हमलों को क्षेत्र में बढ़ते तनाव की बड़ी घटना के रूप में देखा जा रहा है। खामेनेई वर्ष 1989 से ईरान के सर्वोच्च राजनीतिक और धार्मिक नेता के रूप में पद संभाल रहे थे।ईरानी सरकारी मीडिया का दावा है कि इन हमलों में खामेनेई के परिवार के कई सदस्य भी मारे गए, हालांकि अमेरिका और इजराइल की ओर से परिवार के अन्य सदस्यों की मौत की स्वतंत्र पुष्टि नहीं की गई है।

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के भाषण के दौरान गो जरदारी गो और खान को रिहा करो के लगे नारे

इस्लामाबाद। सोमवार को जब पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी संसद को संबोधित करने पहुंचे तो उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ा। वे अपनी असफलता का ठीकरा एक बार फिर भारत पर फोड़ रहे थे, गीदड़भभकी दे रहे थे, लेकिन उनके ही सांसदों ने बगलें झांकने पर मजबूर कर दिया। संयुक्त बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी घरेलू या विदेशी ताकत को अपनी शांति भंग करने के लिए पड़ोसी इलाके का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दे सकते।' बतौर राष्ट्रपति जरदारी नौवीं बार नेशनल असेंबली के संयुक्त सत्र को संबोधित करने पहुंचे थे।

शांति का राग अलापते हुए राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने सोमवार को युद्ध को आखिरी रास्ता बताते हुए भारत को आंखें दिखाने की कोशिश की। अपनी झूठी तारीफ करते हुए आगे कहा कि पाकिस्तान ने पहले ही भारत और अफगानिस्तान दोनों को अपनी काबिलियत का बस एक छोटा सा हिस्सा ही दिखाया है। इसके साथ ही दंभ भरा। परमाणु शक्ति होने का एहसास कराते हुए गीदड़भभकी की। बोले, 'पाकिस्तान एक जिम्मेदार परमाणु संपन्न देश है और उस जिम्मेदारी का वजन समझता है। साथ ही, हम एक ऐसा देश हैं जो जरूरत पड़ने पर अपना बचाव करना भी जानता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने योजनाओं के लिए 102 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशभर में स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे, आपदा प्रबंधन, कुम्भ तैयारी तथा बाढ़ सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण विकास योजनाओं के लिए लगभग 102 करोड़ रुपये की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इन स्वीकृतियों से पर्वतीय एवं मैदानी क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

बाजपुर उपजिला चिकित्सालय में चिकित्सकों के लिए आवास निर्माण

जनपद ऊधम सिंह नगर के अंतर्गत उपजिला चिकित्सालय, बाजपुर में छह चिकित्साधिकारियों के लिए आवासीय भवनों के निर्माण हेतु ?4 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इस निर्णय से स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी तथा दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

कुम्भ मेला-2027 की तैयारियों को बल

कुम्भ मेला-2027 की तैयारियों के तहत हरिद्वार में प्रस्तावित पुलिस कमांड एंड कंट्रोल सेंटर भवन के निर्माण के लिए 50.27 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त हर की पैड़ी से ललतारों सेतु तक गलियों के सुधार एवं सौंदर्यीकरण कार्य हेतु 9 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। साथ ही यह अनुमोदन भी दिया गया है कि उक्त कार्य लोक निर्माण खंड, लक्सर के स्थान पर स्मार्ट सिटी पीआईयू, लोक निर्माण विभाग, देहरादून द्वारा संपादित कराया जाएगा, ताकि कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जा सके।

आपदा न्यूनीकरण एवं पुनर्निर्माण कार्यों के लिए स्वीकृति

राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि के अंतर्गत जनपद हरिद्वार के विधानसभा क्षेत्र खानपुर में नारसन-हरजौली-जट मुडलाना-लंडौरा-जौरासी-बुढ़ढाहेड़ी-बजेडी-राजपुताना मोटर मार्ग के किलोमीटर 23 पर स्थित आरसीसी सेतु की क्षतिग्रस्त एप्रोच के सुरक्षात्मक कार्य हेतु 6.67 करोड़ की स्वीकृति के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में ?2.67 करोड़ जारी किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राकृतिक आपदा से क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग की 32.50 करोड़ की मांग के सापेक्ष ?25 करोड़ की धनराशि राज्य आपदा मोचन निधि से अवमुक्त करने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

बाढ़ सुरक्षा योजनाओं को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री द्वारा जनपद चम्पावत की तहसील पूर्णागिरी में हुड्डी नदी से ग्राम छानीगोठ की सुरक्षा हेतु 5.75 करोड़ की योजना के सापेक्ष प्रथम किश्त 2.30 करोड़ स्वीकृत की गई है।

जनपद चमोली के विकासखंड गैरसैंण में रामगंगा नदी तट पर भू-कटाव रोकने एवं आवासीय भवनों की सुरक्षा हेतु 6.83 करोड़ की योजना के सापेक्ष 2.74 करोड़ की प्रथम किश्त जारी की गई है।

जनपद उत्तरकाशी के विकासखंड भटवाड़ी स्थित हर्षिल में भागीरथी नदी के दाएं तट पर सुरक्षात्मक कार्य हेतु ?10.24 करोड़ की योजना के सापेक्ष 4.10 करोड़ की प्रथम किश्त स्वीकृत की गई है।

इसके साथ ही जनपद देहरादून के धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र में सुसवा नदी के दोनों तटों पर दूधा देवी पुल के डाउनस्ट्रीम में बाढ़ सुरक्षा योजना हेतु 4.30 करोड़ की योजना के सापेक्ष 1.72 करोड़ की प्रथम किश्त जारी की गई है।

स्वच्छता एवं सम्मान से जुड़े निर्णय

मुख्यमंत्री ने नगर पंचायत ईमलीखेड़ा में लीगेसी वेस्ट निस्तारण हेतु 13.90 लाख की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है।

इसके साथ ही जनपद पौड़ी गढ़वाल के रिखणीखाल स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोबरियासार का नाम शहीद अनुज नेगी के नाम पर रखे जाने का अनुमोदन भी प्रदान किया गया है, जो शहीदों के प्रति सम्मान और स्मरण का प्रतीक है।

इन स्वीकृतियों के माध्यम से राज्य सरकार ने स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, आपदा प्रबंधन, धार्मिक पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण जैसे विविध क्षेत्रों में संतुलित विकास की प्रतिबद्धता को दोहराया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनता को शीघ्र लाभ मिल सके।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदडें समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश

पथ प्रवाह, देहरादून

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदडें ने नगर निगम सभागार देहरादून में जनपद की 10 विधानसभा क्षेत्रों में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों की बूथवार समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को निर्देशित किया कि बीएलओ के कार्यों की प्रति सप्ताह नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए। जिन बूथों पर मतदाता मैपिंग का प्रतिशत कम है, वहां तहसील स्तर से अतिरिक्त कार्मिकों की ड्यूटी लगाकर कार्य को शीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से संपन्न करना निर्वाचन

तंत्र की प्राथमिकता है।

जिले में 66.62 प्रतिशत मैपिंग कार्य पूर्ण

बैठक में अवगत कराया गया कि जनपद में अब तक कुल 66.62 प्रतिशत मैपिंग कार्य पूर्ण किया जा चुका है। विधानसभा क्षेत्रवार प्रगति इस प्रकार है चकराता - 99.03 प्रतिशत, विकासनगर - 70.47 प्रतिशत, सहसपुर - 71 प्रतिशत, धर्मपुर - 56.94 प्रतिशत, रायपुर - 62.64 प्रतिशत, राजपुर - 61.19 प्रतिशत, देहरादून कैन्ट - 61.36 प्रतिशत, मसूरी - 63.52 प्रतिशत, डोईवाला - 70 प्रतिशत, ऋषिकेश - 60.87 प्रतिशत अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिन क्षेत्रों में प्रगति अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष ध्यान देते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

अधिकारियों को समन्वय से कार्य करने के निर्देश

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, मुख्य नगर आयुक्त नमामि बंसल, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी स्मृता परमार, उप नगर आयुक्त संतोष पाण्डेय, विभिन्न उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, एमडीडीए के संयुक्त सचिव सहित संबंधित अधिकारी, बीएलओ एवं सुपरवाइजर उपस्थित रहे। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदडें ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक स्तर पर सतर्कता और सक्रियता आवश्यक है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि मैपिंग कार्य की गुणवत्ता से समझौता न किया जाए तथा निर्धारित समयसीमा में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जाए।

चारधाम यात्रा से पूर्व 17 मार्च को उत्तरकाशी में व्यापक मॉक ड्रिल

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

आगामी चारधाम यात्रा और संभावित प्राकृतिक आपदाओं को ध्यान में रखते हुए जनपद उत्तरकाशी में 17 मार्च को व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। इसकी तैयारियों को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी प्रशान्त आर्य ने वर्चुअल माध्यम से इंसिडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम (आईआरएस) से जुड़े अधिकारियों की बैठक ली और सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध तथा त्रुटिरहित सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में मॉक अभ्यास अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे विभिन्न विभागों की

वास्तविक तैयारियों, उपलब्ध संसाधनों और आपसी समन्वय की स्थिति का आकलन किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभ्यास के दौरान सामने आने वाली कमियों को समय रहते दूर करना आवश्यक है, ताकि वास्तविक आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि मॉक ड्रिल को केवल औपचारिकता न मानते हुए गंभीरता से लिया जाए और प्रत्येक अधिकारी अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों का समुचित निर्वहन करे। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि अभ्यास में समाजसेवी संस्थाओं के साथ-साथ एनसीसी एवं एनएसएस कैडेट्स की सहभागिता सुनिश्चित की जाए, जिससे आपदा प्रबंधन के प्रति व्यापक जन-जागरूकता और समन्वय विकसित हो सके। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दूल गुसाईं ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन के निर्देशानुसार 17 मार्च को मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी, जबकि 16 मार्च को टेबल टॉक के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को संभावित आपदा परिदृश्यों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में चार अलग-अलग स्थानों का चयन किया गया है, जहां विभिन्न आपदा स्थितियों का अभ्यास कराया जाएगा। मॉक ड्रिल के दौरान विभागों की तत्परता, संसाधन प्रबंधन, राहत एवं बचाव कार्यों की गति तथा आपसी समन्वय की प्रभावशीलता को परखा जाएगा। इस बार अभ्यास की मॉनिटरिंग शासन स्तर से भी की जाएगी, जिससे तैयारियों की निष्पक्ष समीक्षा सुनिश्चित हो सके।

एक नजर

कुवैत का दावा, कई अमेरिकी लड़ाकू जहाजों को पहुंचा नुकसान

कुवैत सिटी। कुवैत ने कहा है कि अमेरिकी फौज के कई सैन्य विमानों को नुकसान पहुंचा है लेकिन सभी अमेरिकी सैनिक सुरक्षित हैं। कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी है। आधिकारिक प्रवक्ता कर्नल साद अल अतवान ने कहा कि मामले की जानकारी मिलते ही तलाश और बचाव दल ने फौरन अपना काम शुरू कर दिया। कुछ घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है और दुर्घटना वाली जगह को खाली कराया जा रहा है।

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत का एक महत्वपूर्ण स्थान : प्रधान

नयी दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि भारत का वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण स्थान बना हुआ है जो सीखने, अनुसंधान करने, नवाचार करने और उसे लागू करने के लिये अपार अवसर प्रदान करता है। प्रधान ने सोमवार को आयोजित 'स्टडी इन इंडिया एडु-डिप्लोमैटिक कॉन्क्लेव 2026' को संबोधित किया। इस सम्मेलन में उच्च शिक्षा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने पर विचार-विमर्श करने के लिए 50 से अधिक देशों के राजदूत, उच्चायुक्त, राजनयिक मिशनों के प्रतिनिधि और मंत्रालय के अधिकारी एकत्रित हुए।

मोदी ने नेतन्याहू से बात की, ताजा घटनाक्रम पर चिंता जताई

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान पश्चिम एशिया के ताजा घटनाक्रम पर चिंता जताते हुए युद्ध को जल्द खत्म किए जाने की जरूरत पर बल दिया है। मोदी ने इजरायल के प्रधानमंत्री के साथ रविवार रात हुई बातचीत के दौरान कहा कि आम लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले के बाद श्री मोदी ने पहली बार श्री नेतन्याहू से बात की है।

मैंने विराट और रोहित को खेलते देख मैच फिनिश करना सीखा : संजू सैमसन

कोलकाता। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 विश्व कप के सुपर-आठ के अहम मुकाबले में नाबाद 97 रनों पारी खेलकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले संजू सैमसन ने कहा कि मैंने विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों को खेलता देख मैच को फिनिश करना सीखा है। मुझे इस दिन का इंतजार था। सैमसन ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार लेने के बाद कहा, 'यह मेरे लिए मुकम्मल दुनिया मिलने का समान है।

खोए मोबाइल ढूंढकर कनखल पुलिस ने लौटाकर मोबाइल स्वामियों को दी खुशी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

एसएसपी हरिद्वार नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा जनपद पुलिस को ऑपरेशन रिकवरी के तहत चोरी/खोए मोबाइल की बरामदगी हेतु गठित सीईआईआर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में कनखल पुलिस ने 110 मोबाइल फोन ढूंढकर उनके स्वामियों को वापस लौटाए। मंगलवार को कनखल थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी की मौजूदगी में मोबाइल धारकों को उनके फोन सुपुर्द किए गए। थाना प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि ये मोबाइल सीईआईआर पोर्टल और सर्विलांस की मदद से ट्रेस किए गए थे। मोबाइल गुम होने की शिकायत मिलने के बाद पुलिस टीम लगातार तकनीकी निगरानी कर रही थी,

जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में फोन बरामद करने में सफलता मिली। ऑपरेशन रिकवरी के तहत एएसआई मुन्ना नेगी और महिला कांस्टेबल अराधना को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अपने खोये हुये मोबाइल फोन वापस मिलने की उम्मीद छोड़ चुके पीडितों के चेहरों पर पुलिस के द्वारा अपने अथक प्रयासों से मुस्कान लायी गयी जिस पर जनता द्वारा हरिद्वार पुलिस के इस कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा की गयी।

एसएसपी नवनीत भुल्लर ने पुलिस परिवार संग की होलिका दहन की पूजा-अर्चना

पथ प्रवाह, हरिद्वार। होलिका दहन के शुभ अवसर पर जनपद पुलिस परिवार में उल्लास और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने पुलिस लाइन रोशनाबाद स्थित मां दुर्गा मंदिर प्रांगण में समस्त पुलिस परिवार एवं अधिकारियों के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मंत्रोच्चार के बीच होलिका दहन किया। शुभ मुहूर्त में संपन्न हुए इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए अग्नि प्रज्ज्वलित की गई। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक वातावरण के बीच एसएसपी ने जनपद में सुख-समृद्धि, शांति एवं सुरक्षा की कामना की। कार्यक्रम में एसपी क्राइम/ट्रैफिक निशा यादव, एसपी सिटी अभय सिंह, सीओ सदर/लाइन सुरेन्द्र प्रसाद बलूनी, सीओ सिटी शिशुपाल नेगी, सीओ ज्वालापुर संजय चौहान सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना में सहभागिता की और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं

दीं। होलिका दहन समारोह के दौरान पुलिस परिवार की महिलाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक परिधानों में सजे परिवारजनों ने धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेकर उत्सव की गरिमा को बढ़ाया। कार्यक्रम के पश्चात रंगों के इस महापर्व की अग्रिम शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया गया और हर्षोल्लास के साथ एक-दूसरे को बधाई दी गई। पुलिस लाइन में आयोजित यह आयोजन केवल धार्मिक परंपरा का निर्वहन भर नहीं रहा, बल्कि पुलिस परिवार के बीच आपसी सौहार्द, एकजुटता और पारिवारिक वातावरण को सुदृढ़ करने का अवसर भी बना। पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, उत्साह और पारिवारिक आत्मीयता का सुंदर समन्वय देखने को मिला।

एक नजर

कनखल पुलिस ने दो मकान मालिकों का किया चालान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के द्वारा बाहरी व्यक्तियो, किरायेदारों, कबाडियो व घरेलू नौकरो का सत्यापन हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में कनखल पुलिस ने कार्रवाई की। सोमवार को थाना कनखल पुलिस द्वारा अलग-अलग टीमें बनाकर बैरागी कैम्प कनखल आदि जगहों में निवासरत बाहरी व्यक्तियों, किरायेदारों व घरेलू नौकरो के सत्यापन हेतु संघन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा 35 व्यक्तियों का सत्यापन कराया गया, तथा मौके पर बिना सत्यापन के किरायेदार, घरेलू नौकर व बाहरी व्यक्तियो को रखने वाले 02 मकान मालिकों के विरूद्ध (83) पुलिस एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए 10–10 हजार रुपये के चालान किये गए। कोर्ट चालान कर रिपोर्ट न्यायालय प्रेषित की जा रही है। मौके पर 81 पुलिस अधि0 के अन्तर्गत 04 व्यक्तियों के 250/- रुपये (कुल 1000 रु0) के चालान किये गये । इसके अतिरिक्त अभियान के दौरान मकान मालिको को अपने किरायेदारों, घरेलू नौकरों एवं बाहरी व्यक्तियो का शीघ्र सत्यापन करने हेतु निर्देशित किया गया। किरायेदारो, घरेलू नौकरो, फड ठेली वालो को भी यथाशीघ्र अपना-अपना सत्यापन कराने हेतु जागरूक किया गया ।

गंगनहर के किनारे नवजात का भ्रूण मिलने से फैली सनसनी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद हरिद्वार के पिरान कलियर थाना क्षेत्र में गंगनहर किनारे एक नवजात का भ्रूण मिलने से सनसनी फैल गई। जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर भ्रूण को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया और मामले की छानबीन में जुट गई। जानकारी के मुताबिक, पिरान कलियर थाना क्षेत्र में रुड़की रोड पर स्थित पुरानी गंगनहर किनारे नीचे की ओर किसी राहगीर ने कपड़े की चादर से बंधी एक गठरी पड़ी हुई देखी। जिसकी सूचना राहगीर द्वारा तत्काल पुलिस को दी गई, इस दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने के बाद पिरान कलियर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जब गठरी को खोला तो भीतर चादर में लिपटा हुआ एक भ्रूण नजर आया, जिसके बाद मौके पर हड़कंप मच गया। पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए रुड़की के सिविल अस्पताल भिजवा दिया और मामले की जांच में जुट गई। इसी के साथ पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे भी खंगाल रही है। पिरान कलियर थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच पड़ताल की जा रही है। उनका कहना है कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। ताकि भ्रूण को वहां छोड़ने वाले व्यक्ति की पहचान की जा सके।

शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स छह महीने के निचले स्तर पर

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनैतिक संकट के कारण घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को बड़ी गिरावट देखी गयी और बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स छह महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त सैन्य अभियान में 28 फरवरी को ईरान पर हमले के बाद पश्चिम एशिया में संकट गहरा गया है। ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों वाले कई देशों पर हमले किये हैं। इसका असर सोमवार को बाजार खुलते ही दिखा। सेंसेक्स 1,048.34 अंक (1.29 प्रतिशत) लुढ़ककर 80,238.85 अंक पर बंद हुआ जो 02 सितंबर 2025 के बाद का निचला स्तर है। सुबह सूचकांक 2,743.46 अंक नीचे 78,543.73 अंक पर खुला था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 312.95 अंक यानी 1.24 प्रतिशत उतरकर इस साल 01 फरवरी के बाद के निचले स्तर 24,865.70 अंक पर रहा। मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.46 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.75 फीसदी की गिरावट में बंद हुआ। बाजार में उथल-पुथल को मापने वाला इंडिया वीआईएक्स सूचकांक 25 से ऊपर पहुंच गया जो भारी अनिश्चितता को दिखाता है। धातु और फार्मा को छोड़कर अन्य सेक्टरों में गिरावट रही। निफ्टी ऑटो 2.20 प्रतिशत गिर गया। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और तेल एवं गैस सेक्टरों के सूचकांक भी दो प्रतिशत से ज्यादा टूटे। बैंकिंग, आईटी, मीडिया, रियलटी और रसायन समूहों के सूचकांक एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट में रहे। एनएसई में जिन 3,296 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,580 के शेयर लाल निशान में और 639 के हरे निशान में बंद हुए। अन्य 67 कंपनियों के शेयर दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद अंत में अपरिवर्तित रहे।

सेंसेक्स की कंपनियों में इंडिगो का शेयर 6.25 प्रतिशत लुढ़क गया। एलएंडटी में पांच प्रतिशत, अडीनी पोर्ट्स में 3.33, मारुति सुजुकी में 3.29, एशियन पेंट्स में 2.89, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 2.58 और बजाज फिनसर्व में 2.45 प्रतिशत की गिरावट रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर 1.92 फीसदी, बजाज फाइनेंस का 1.87, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 1.40, इटरनल और ट्रेंट दोनों के 1.38, टाइटन का 1.36, अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.30, एनटीपीसी का 1.15 और भारतीय स्टेट बैंक का 1.05 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनीलिवर, एक्सिस बैंक, पावरग्रिड, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल के शेयर भी लाल निशान में रहे। बीईएल का शेयर 2.09 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। सनफार्मा और आईटीसी के शेयर भी बढ़त में रहे। वैश्विक स्तर पर चीन को छोड़कर अन्य शेयर बाजारों में गिरावट रही। एशिया में हांगकांग का हैंगसेंग 2.14 प्रतिशत और जापान का निक्केई 1.35 प्रतिशत टूट गया। चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.47 प्रतिशत की तेजी रही।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को दी होली की शुभकामनाएँ

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत से देहरादून स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि होली का पावन पर्व आपसी प्रेम, सौहार्द और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कामना की कि रंगों का यह उत्सव प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।

भेंट के दौरान दोनों नेताओं के बीच प्रदेश के समसामयिक विषयों एवं विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी आत्मीय चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री के अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य के विकास में उनके योगदान को सदैव स्मरण रखा जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को होली की शुभकामनाएँ देते हुए प्रदेश के निरंतर विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की कामना की। उन्होंने कहा कि त्योहार समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और ऐसे अवसरों पर आपसी संवाद एवं सद्भाव और मजबूत होता है। भेंट का वातावरण आत्मीय और सौहार्दपूर्ण रहा। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने भी एक-दूसरे को रंगोत्सव की बधाई दी तथा प्रदेश में शांति, प्रगति और खुशहाली की कामना की।

हरिद्वार से वृंदावन तक सनातन धर्म जागरण अभियान का शुभारंभ

जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरी जी महाराज का भव्य स्वागत, संत समाज ने पुष्पवर्षा कर किया अभिनंदन

पथ प्रवाह, हरिद्वार

श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्री महल हरि गिरि महाराज के निर्देश पर जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरी जी महाराज ने सनातन धर्म के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु अपने विशेष जागरण अभियान का शुभारंभ कर दिया है। इस पावन अभियान की शुरुआत धर्मनगरी हरिद्वार से विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई।

जगतगुरु महाराज ने सर्वप्रथम हरिद्वार स्थित अधिष्ठात्री देवी माया देवी मंदिर तथा आनंद भैरव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। वैदिक रीति-रिवाजों के साथ श्रीगणेश कर उन्होंने अपने इस पावन अभियान को राष्ट्रव्यापी स्वरूप देने का संकल्प लिया।

अभियान के प्रथम चरण में होली के पावन पर्व पर सनातन धर्म की पताका फहराने के उद्देश्य से वे वृंदावन धाम पहुंचे। वहां संत समाज, आचार्यगण एवं हजारों श्रद्धालु भक्तों ने वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद, पुष्पवर्षा और जयघोष के साथ उनका भव्य स्वागत किया। 'हर-हर महादेव' और 'जय श्रीकृष्ण' के उद्घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने फूलों की होली खेली और भक्ति एवं उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। संतों एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह ने धार्मिक एकता और आध्यात्मिक जागरण का संदेश दिया। अपने आशीर्वचन में जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरी जी महाराज ने कहा कि वर्तमान समय अत्यंत संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर शिक्षा और वैचारिक मंचों पर मतभेद की स्थितियां उत्पन्न की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर नशे की प्रवृत्ति युवाओं को भटका रही है। पश्चिमी संस्कृति के अंधानुकरण से भारतीय परंपराएं प्रभावित हो रही हैं, जो चिंता का विषय है।

उन्होंने संत समाज को समाज का मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि हिंदू समाज तेजी से जागृत हो रहा है और उसे सही दिशा देना संतों का परम दायित्व है। उन्होंने समाज से भेदभाव समाप्त करने, नशा उन्मूलन का व्यापक अभियान चलाने, गौ रक्षा हेतु सशक्त केंद्रीय कानून बनाने और भारत को पुनः विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित करने का आह्वान किया। जगतगुरु महाराज ने कहा कि सनातन धर्म का ध्वज संपूर्ण विश्व में लहराना है, जिसका आधार संस्कार, संयम और राष्ट्र के प्रति समर्पण होगा। उन्होंने पूज्य संतों, आचार्यों एवं अखाड़ा परिषद के सभी गुरु मूर्तियों को बधाई एवं साधुवाद प्रेषित करते हुए समाज को दिशा देने के दायित्व को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम का समापन सामूहिक आरती, मंगलाचरण और आशीर्वचन के साथ हुआ। धार्मिक उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण यह आयोजन सनातन धर्म जागरण अभियान की सशक्त शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

संस्कारों की छांव में सफलता की उड़ान: भावुक विदाई में झलका गुरुकुल का गौरव

पथ प्रवाह, पौड़ी।

कोट विकास खण्ड के अंतर्गत स्थित ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय, भुवनेश्वरी में कक्षा उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष (बारहवीं) के विद्यार्थियों के लिए आयोजित विदाई समारोह भावनाओं, संस्कारों और उपलब्धियों से सराबोर एक अविस्मरणीय आयोजन बन गया। गुरुकुल परिवार ने इस विशेष अवसर को गरिमा, आत्मीयता और भारतीय परंपरा की मधुर छटा के साथ मनाया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रातःकालीन पूजन, दीप प्रज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा और श्रद्धा का संचार हुआ। वर्षों तक गुरुजनों के सानिध्य में शिक्षा, अनुशासन और भारतीय संस्कृति का अमूल्य ज्ञान अर्जित करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह क्षण अत्यंत भावुक रहा। अपने अनुभव साझा करते समय कई छात्र-छात्राओं की आंखें नम हो उठीं।

समारोह में एक ओर विदाई की हल्की वेदना थी तो दूसरी ओर विद्यार्थियों की शैक्षिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों का गर्व भी स्पष्ट दिखाई दे रहा था। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच आत्मीय संवाद ने कार्यक्रम को और अधिक संवेदनशील बना दिया।

प्रधानाचार्य अनसूया प्रसाद सुन्दरिया ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि गुरुकुल शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह जीवन को दिशा देने वाले संस्कारों का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रहित, समाज सेवा और नैतिक मूल्यों को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया।

उपाचार्य नवीन जुयाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह विदाई अंत नहीं, बल्कि एक नई यात्रा का प्रारम्भ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यालय के छात्र भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्था का नाम गौरवान्वित करेंगे।

डॉ. नवीन ममगाई ने गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा और अभिभावकों के अटूट विश्वास का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्षों पूर्व बोया गया संस्कारों का बीज आज प्रतिभा और आत्मविश्वास के रूप में विकसित होकर समाज को समर्पित हो रहा है। वहीं डॉ. अनूप कुकरेती ने विद्यार्थियों को स्वअनुशासन, परिश्रम और लक्ष्यनिष्ठा को सफलता की कुंजी बताते हुए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर ईशान डोभाल, नीरज पटवाल एवं अंकित मैठाणी सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे और अपने आशीर्वचनों से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को स्मृति-चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं की गईं।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने पीड़ित परिजनों को दिया सहायता का भरोसा

पथ प्रवाह, देहरादून

मालदेवता क्षेत्र में हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना के बाद कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। बीती देर रात्रि रायपुर क्षेत्र के अंतर्गत शेरकी गांव में डंपर की चपेट में आने से 17 वर्षीय युवक की मृत्यु हो गई थी, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी घटना की जानकारी मिलते ही मालदेवता पहुंचे और दिवंगत युवक के परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने इस हादसे को अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक बताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा ईश्वर से शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। मंत्री जोशी ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। घटना की गंभीरता को देखते हुए मंत्री जोशी ने जिलाधिकारी टिहरी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून से दूरभाष पर वार्ता की। उन्होंने दुर्घटना के कारणों की गहन जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े मानकों का कड़ाई से पालन कराया जाए और भारी वाहनों की आवाजाही पर आवश्यक नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस शोक संवेदना दौरे के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी भी उपस्थित रहे।

पटरी से उतरे संबंधों को पूरी तरह सामान्य बनाने के लिए द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम देंगे भारत और कनाडा

नयी दिल्ली। भारत और कनाडा ने पटरी से उतरे संबंधों को पूरी तरह सामान्य बनाने के उद्देश्य से द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम देने के लिए सोमवार को यहां आर्थिक एवं रक्षा क्षेत्र में साझेदारी को मजबूत करने और यूरेनियम तथा महत्वपूर्ण खनिजों सहित अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण समझौते किये।

दोनों देशों के बीच सुरक्षा और रक्षा सहयोग, आतंकवाद-रोधी तंत्र, साइबर सुरक्षा, संगठित अपराधों से मुकाबले तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समन्वय को सुदृढ़ करने पर भी सहमति बनी। उन्होंने समय के साथ और जरूरत के आधार पर उच्चायोगों में अधिकारियों तथा कर्मचारियों की संख्या बढाने की दिशा में कदम उठाने का भी निर्णय लिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की चार दिन की यात्रा पर आये कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। प्रधानमंत्री का कार्यभार संभालने के बाद श्री कार्नी की यह पहली भारत यात्रा तथा 2018 के बाद किसी कनाडाई प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

वार्ता के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में दोनों नेताओं ने 79 वर्षों के कूटनीतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन, संप्रभुता के सम्मान और गहरे जन-से-जन संबंधों पर आधारित साझेदारी को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता जताई। उनके बीच 'वसुधैव कुटुम्बकम् - एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' को नवीकृत भारत-कनाडा रणनीतिक साझेदारी का मार्गदर्शक सिद्धांत बनाने पर सहमति बनी।

दोनों देशों ने व्यापार और निवेश को नई गति देने के लिए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता वार्ता को आगे बढ़ाने और 2026 तक इसे अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया। दोनों नेताओं ने मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की फोरम के पुनर्गठन और वित्त मंत्रियों के आर्थिक संवाद की शुरुआत का स्वागत किया गया। दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को आपसी विश्वास और संबंधों की परिपक्वता का प्रतीक बताते हुए रक्षा उद्योग, समुद्री क्षेत्र जागरूकता और सैन्य आदान - प्रदान बढ़ाने पर काम करने की सहमति व्यक्त की और इसी उद्देश्य से भारत- कनाड़ा रक्षा संवाद की स्थापना करने का निर्णय लिया।

उन्होंने आतंकवाद को साझा चुनौती बताते हुए आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरपंथ को पूरी मानवता के लिए साझा और गंभीर चुनौती बताया।उन्होंने इनके विरुद्ध करीबी सहयोग को वैश्विक शान्ति और स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। दोनों पक्षों ने ऊर्जा सुरक्षा, आपूर्ति विविधीकरण और स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को प्राथमिकता देते हुए रणनीतिक ऊर्जा साझेदारी को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। उनके बीच एलएनजी, एलपीजी, कच्चे तेल, परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद, पोटाश और यूरेनियम आपूर्ति में व्यापार विस्तार पर सहमति बनी। यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए भी समझौता हुआ। उन्होंने महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने, स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी, कार्बन कैप्चर, नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोजन और बैटरी भंडारण में सहयोग बढ़ाने पर बल दिया गया।

कृषि एवं पोषण सुरक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान, मूल्य संवर्धित खाद्य उत्पादन और दाल प्रोटीन उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना जैसे कदमों पर सहमति बनी। जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण और प्लास्टिक प्रदूषण में कमी के लिए भी सहयोग मजबूत करने का निर्णय लिया गया। भारत ने कनाडा के अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन में शामिल होने के इरादे और वैश्विक जैवईंधन गठबंधन में पूर्ण सदस्यता का स्वागत किया।

दोनों पक्षों ने शिक्षा और प्रतिभा गतिशीलता को संबंधों का प्रमुख स्तंभ मानते हुए उच्च शिक्षा सहयोग, संयुक्त एवं द्वैध डिग्री कार्यक्रम, शोध साझेदारी और इंटर्नशिप विस्तार पर जोर दिया। सांस्कृतिक सहयोग, रचनात्मक उद्योगों, उभरती प्रौद्योगिकियों तथा आदिवासी और जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण पर भी सहमति बनी। नागरिक उड्डयन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की गई।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अवसंरचना और नवाचार में संयुक्त पहलों को आगे बढ़ाने का भी निर्णय लिया गया। सुरक्षा और रक्षा सहयोग, आतंकवाद-रोधी तंत्र, साइबर सुरक्षा, संगठित अपराध से मुकाबला तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समन्वय को सुदृढ़ करने पर भी सहमति बनी। भारत ने कनाडा के हिंद महासागर क्षेत्रीय संघ में संवाद भागीदार बनने की इच्छा का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सुदृढ़ साझेदारी क्षेत्रीय स्थिरता, वैश्विक लचीलापन और साझा समृद्धि को बढ़ावा देगी।

अनुमान से अधिक लंबा खिंच सकता है ईरान-अमेरिका युद्ध

नयी दिल्ली। इजरायल और अमेरिका की संयुक्त सैन्य कार्रवाई में शनिवार को ईरान के शीर्ष नेतृत्व के मारे जाने से शुरू हुआ अमेरिका-ईरान युद्ध उम्मीद से कहीं अधिक लंबा खिंच सकता है। कई लोग इसके छोटा और निर्णायक होने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन ईरान पश्चिमी देशों के अनुमानों से कहीं अधिक मजबूती से मुकाबला कर रहा है। अमेरिका और इजरायल ने शनिवार को ईरान में समन्वित हमले कर परमाणु सुविधाओं, सैन्य बुनियादी ढांचों, नौसैनिक अड्डों और वरिष्ठ नेताओं को निशाना बनाया था। तुरंत इसका जवाब देते हुए ईरान ने भी खाड़ी में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किये, जिसमें तीन अमेरिकी सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। इसके बाद अमेरिका ने फिर से जवाबी कार्रवाई का संकल्प दोहराया है। सोमवार तक इस संघर्ष को शुरू हुए कुछ ही दिन हुए हैं, लेकिन इसकी दिशा पहले से ही एक लंबे और जोखिम भरे युद्ध की ओर इशारा कर रही है। पश्चिमी कमान के पूर्व फ्लैग-ऑफिसर-कमांडिंग वाइस एडमिरल शेखर सिन्हा (सेवानिवृत्त) ने यूनीवार्ता को बताया, 'ईरानियों का प्रतिरोध का एक लंबा इतिहास रहा है। ईरान के पास मिसाइलों और ड्रोन का विशाल भंडार है और उनके सैन्य कारखाने उत्पादन बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा, ऐसे संकेत हैं कि रूस और चीन ने अपनी आपूर्ति लाइनें खोल दी हैं। मुझे डर है कि यह युद्ध कई लोगों के अनुमान से कहीं अधिक लंबा होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका की ओर से 'युद्ध के स्पष्ट लक्ष्यों' की कमी के कारण भी शांति बहाली में मुश्किलें आ सकती हैं। अमेरिकी लगातार अपना लक्ष्य बदलते रहे हैं–कभी ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण, कभी मिसाइल कार्यक्रम को खत्म करना, तो कभी सत्ता परिवर्तन। रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (आईडीएसए) के पूर्व उप महानिदेशक मेजर जनरल आलोक देब ने यूनीवार्ता से बातचीत में कहा, 'सत्ता परिवर्तन मुश्किल है क्योंकि ईरान के पास सैन्य और नागरिक नेतृत्व का एक बड़ा समूह है, जिसे नौकरशाही का भी समर्थन प्राप्त है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सोचना भी गलत हो सकता है कि ईरानी जनता शीर्ष नेताओं की हत्या का फायदा उठाकर सत्ता के खिलाफ विरोध कर देगी। ईरान एक प्राचीन राष्ट्र है जिसमें राष्ट्रवाद की भावना कूट-कूट कर भरी है, वहां के लोग स्थिरता के बदले अराजक सत्ता परिवर्तन को कभी नहीं चुनना चाहेंगे। इसके अलावा, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या ने स्थितियों को और अधिक जटिल बना दिया है। रणनीतिक विश्लेषक ब्रह्मा चेलानी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इस हत्या ने कर्बला में इमाम हुसैन की शहादत की याद दिलाने वाली 'शहादत और प्रतिरोध की शिया अवधारणा' को सीधे तौर पर जगा दिया है।

मुख्यमंत्री आवास में पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया भव्य होली मिलन समारोह

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री आवास में सोमवार को होली मिलन समारोह पारंपरिक उल्लास, सांस्कृतिक गरिमा और आत्मीय वातावरण के बीच हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। रंगों, संगीत और लोक परंपराओं से सजे इस आयोजन में उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की मनोहारी छटा देखने को मिली। कार्यक्रम ने सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द और सांस्कृतिक एकता का सशक्त संदेश दिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। ऐसे आयोजन हमारी पारंपरिक विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ने का माध्यम बनते हैं और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोकसंस्कृति, लोकभाषाओं और पारंपरिक कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर ही उत्तराखण्ड की विशिष्ट पहचान है और इसे सहेजना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। समारोह में मंत्रीगण, विधायकगण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने मुख्यमंत्री से भेंट कर उन्हें होली की शुभकामनाएं दीं और पारंपरिक ढंग से अबीर-गुलाल लगाकर रंगोत्सव की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम के दौरान गढ़वाल और कुमाऊँ अंचल की पारंपरिक बैठकी एवं खड़ी होली की मधुर प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिरस और उल्लास से सराबोर कर दिया। जौनसार-बावर तथा तराई क्षेत्र की लोकधुनों पर प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह को और अधिक रंगमय बना दिया। लोक कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों में प्रदेश की विविध लोक परंपराओं, वेशभूषा और संगीत शैली की जीवंत झलक दिखाई दी। समूचा मुख्यमंत्री आवास रंग-बिरंगे पुष्पों, पारंपरिक सजावट और उत्सव के उल्लास से सुसज्जित रहा। आयोजन ने यह संदेश दिया कि त्योहार केवल आनंद का अवसर नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकात्मता को सुदृढ़ करने का माध्यम भी हैं।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com